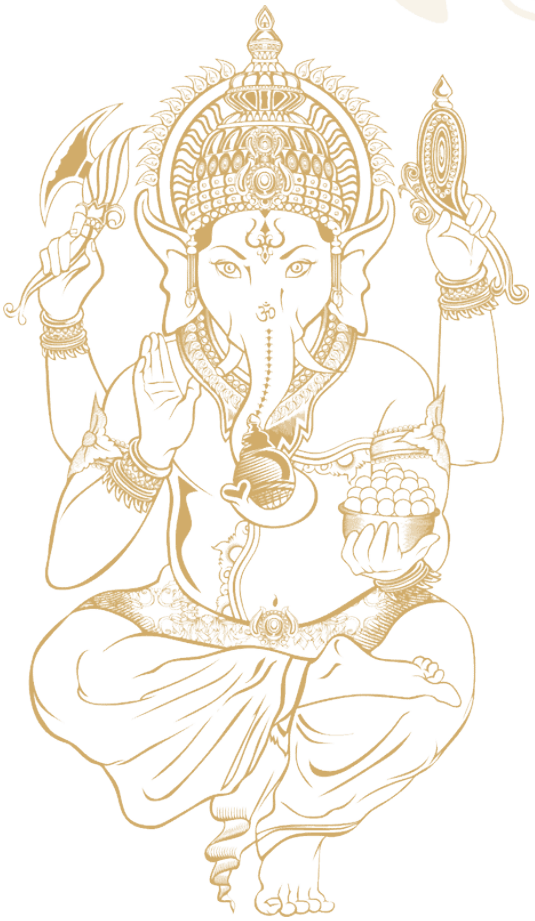

Male

Female

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121935426

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/08/2004	जन्म तिथि	14/10/2001
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 18:50:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 32:20:58	जन्म समय(घटी)	42:51:24 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:36	सूर्योदय	06:21:26
18:54:15	सूर्यास्त	17:52:34
23:55:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 12वर्ष 2मा 1दि		04:42:23	कुंभ	लग्न	मिथु	27:32:05	सूर्य 4वर्ष 11मा 11दि	
गुरु		04:53:39	सिंह	सूर्य	कन्या	27:34:37	राहु	
23/10/2016		10:59:05	तुला	चंद्र	सिंह	29:00:24	26/09/2023	
23/10/2032		13:08:31	सिंह	मंगल	धनु	27:25:51	25/09/2041	
गुरु	11/12/2018	09:10:19	सिंह व	बुध व	कन्या	26:05:28	राहु	08/06/2026
शनि	23/06/2021	28:42:42	सिंह	गुरु	मिथु	21:13:58	गुरु	31/10/2028
बुध	29/09/2023	19:11:55	मिथु	शुक्र	कन्या	05:12:32	शनि	07/09/2031
केतु	04/09/2024	28:21:46	मिथु	शनि व	वृष	20:48:26	बुध	27/03/2034
शुक्र	06/05/2027	10:20:41	मेष	राहु व	मिथु	05:54:06	केतु	14/04/2035
सूर्य	22/02/2028	10:20:41	तुला	केतु व	धनु	05:54:06	शुक्र	14/04/2038
चन्द्र	23/06/2029	11:08:35	कुंभ व	हर्ष व	मक	27:08:29	सूर्य	09/03/2039
मंगल	30/05/2030	19:39:38	मक व	नेप व	मक	12:07:06	चन्द्र	07/09/2040
राहु	23/10/2032	25:38:48	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:23:10	मंगल	25/09/2041

लग्न-चलित

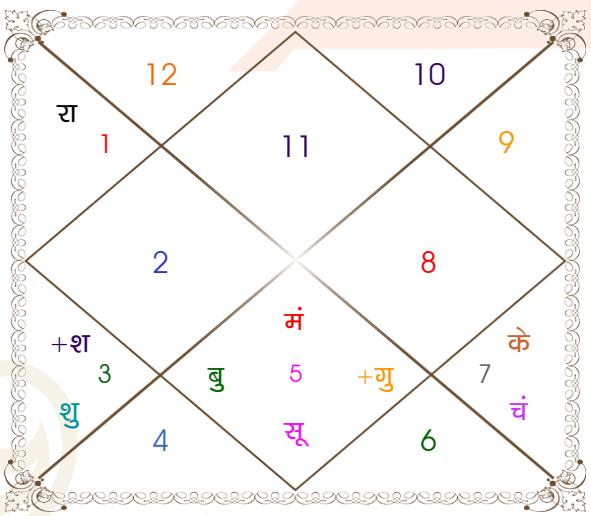

लग्न-चलित

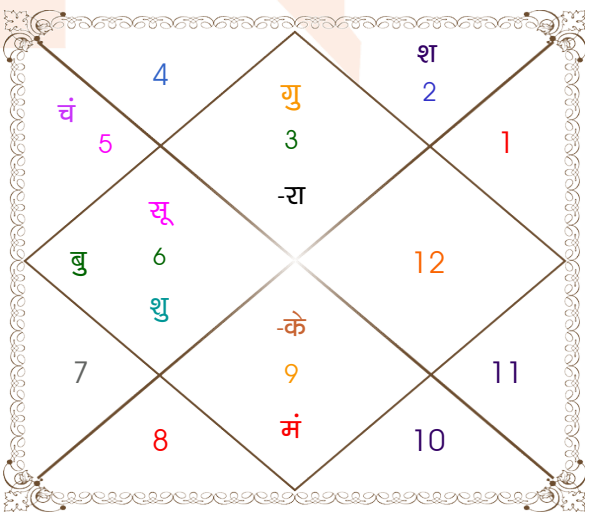

Acharya Sharad Radhey Dikshit Jyotish kender

H/4/77c, west Karawal Nagar Delhi

9811442207

sharadpanditji@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Male का वर्ग मृग है तथा थ्मउंसम का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Male और थ्मउंसम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Male कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

थ्मउंसम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि थ्मउंसम कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Male कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Male तथा थ्मउंसम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।